१२ : कंचा

प्रश्नावली

कहानी से

प्रश्न 1. कंचे जब जार से निकलकर अप्पू के मन की कल्पना में समा जाते हैं, तब क्या होता है?

प्रश्न 2. दुकानदार और ड्राइवर के सामने अप्पू की क्या स्थिति है? वे दोनों उसको देखकर पहले परेशान होते हैं, फिर हँसते हैं। कारण बताइए।

प्रश्न 3. 'मास्टर जी की आवाज़ अब कम ऊँची थी। वे रेलगाड़ी के बारे में बता रहे थे।' मास्टर जी की आवाज़ धीमी क्यों हो गई होगी? लिखिए।

कहानी से आगे

प्रश्न 1. कंचे, गिल्ली-डंडा, गेंदतड़ी (पिट्ठू) जैसे गली-मोहल्लों के कई खेल ऐसे हैं जो बच्चों में बहुत लोकप्रिय हैं। आपके इलाके में ऐसे कौन-कौन से खेल खेले जाते हैं? उनकी एक सूची बनाइए।

प्रश्न 2. किसी एक खेल को खेले जाने की विधि को अपने शब्दों में लिखिए।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1. जब मास्टर जी अप्पू से सवाल पूछते हैं तो वह कौन सी दुनिया में खोया हुआ था? क्या आपके साथ भी कभी ऐसा हुआ है कि आप किसी

दिन क्लास में रहते हुए भी क्लास से गायब रहे हों? ऐसा क्यों हुआ और आप पर उस दिन क्या गुजरी? अपने अनुभव लिखिए।

प्रश्न 2. आप कहानी को क्या शीर्षक देना चाहेंगे?

प्रश्न 3. गुल्ली-डंडा और क्रिकेट में कुछ समानता है और कुछ अंतर। कौन सी समानताये हैं और क्या-क्या अंतर है?

भाषा की बात

प्रश्न 1. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित मुहावरे किन भावों को प्रकट करते हैं? इन भावों से जुड़े दो-दो मुहावरे बताइए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

माँ ने दाँतों तले उँगली दबाई।

सारी कक्षा साँस रोके हुए उसी तरफ़ देख रही है।

प्रश्न 2. विशेषण कभी-कभी एक से अधिक शब्दों के भी होते हैं। नीचे लिखे वाक्यों में रेखांकित हिस्से क्रमश: रकम और कंचे के बारे में बताते हैं इसलिए वे विशेषण हैं।

पहले कभी किसी ने इतनी बड़ी रकम से कंचे नहीं खरीदे।

बढ़िया सफ़ेद गोल कंचे

- इसी प्रकार के कुछ विशेषण नीचे दिए गए हैं इनका प्रयोग कर वाक्य बनाएँ

ठंडी अँधेरी रात   खट्टी-मीठी गोलियाँ

ताज़ा स्वादिष्ट भोजन   स्वच्छ रंगीन कपड़े

कुछ करने को

प्रश्न 1: मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'ईदगाह' खोजकर पढ़िए। 'ईदगाह' कहानी में हामिद चिमटा खरीदता है और 'कंचा' कहानी में अप्पू कंचे इन दोनों बच्चों में से किसकी पसंद को आप महत्त्व देना चाहेंगे? हो सकता है, आपके कुछ साथी चिमटा खरीदनेवाले हामिद को पसंद करें और कुछ अप्पू को। अपनी कक्षा में इस विषय पर वाद-विवाद का आयोजन कीजिए।

उत्तर

<u>कहानी से</u>

उत्तर 1- कंचे जब जार से निकलकर अप्पू के मन की कल्पना में समा जाते हैं, तब अप्पू के कल्पना में कंचे की जार आसमान जितना बड़ा हो जाता है और बह उसमे सामा गया। और उस कल्पना में बस अप्पू और कंचे ही होते है। वह इस कल्पना में इतना खो जाते है कि मास्टर जी द्वारा पढ़ाये गए रेलगाड़ी के तरफ उसका धियान ही नही रहता जिसके लिए उसको मास्टर जी से डाँट भी पड़ी।

उत्तर 2- दुकानदार अप्पू से पहले परेशान होता है क्योंकि वो कंचे देख रहा था लेकिन खरीद नही रहा था, लेकिन बाद में उसने कंचे ख़रीदे और खरोडे हुए काँचे गलती से रास्ते में बिखर गए और इसीलिए अप्पू अचानक से रास्ते में बिखरे काँचे लेने चला गया और उसी वक़्त आती हुई गाडी का ड्राइवर इस हरकत को देखके ग़ुस्सा हो गया, लेकिन जब अप्पू ने अपने काँचे दिखाये तो ड्राइवर ने इसे उसकी बचपन समझ के माफ़ कर दिया।

उत्तर 3- जब मास्टर जी ने रेलगाड़ी के बारे में पड़ना शुरू किया तब बच्चों के ध्यान आकर्षित करने के लिए वह ऊँची आवाज़ में पढ़ा रहे थे, लेकिन जब बच्चों ने ध्यान से सुनने लगा तब मास्टर जी की आवाज़ धीमी हो गयी थी।

कहानी से आगे

उत्तर 1- हमारे इलाके में कबड्डी, छुपन-छुपाई, क्रिकेट, बैडमिंटन, खो-खो, फुटबॉल, बास्केटबॉल ज्यादा खेला जाता हैं।

उत्तर 2- फुटबॉल खेलने के लिए दो टीम की जरुरत होती है और हर टीम मे ग्यारह खिलाड़ी होते है। और खेल में एक रेफरी और दो लाइन्समैन होते है। और हर टीम में एक गोलकिपर होता है। खिलाड़ियों को बॉल को दूसरे टीम के गोलपोस्ट में ले जाना होता है।

अनुमान और कल्पना

उत्तर 1- जब मास्टर जी अप्पू से सवाल पूछते हैं तो वह कंचों के बारे में सोच रहा था और उसी दुनिया में खोया हुआ था।

एकबार मेरे साथ भी ऐसा हुआ है, जब में स्कूल में था और एक दिन बाद हम मानाली घूमने जाने वाले थे परिवार के साथ। तो मैं मानाली जाकर क्या-क्या मज़े करूँगा उसके बारे में सोच रहा था और उसी दुनिया में खोया हुआ था और मास्टर जी ने मुझसे सवाल किया जिसका जवाब हम नहीं दे पाए। उसके वजह से मुझे बहुत डाँट पारी थी।

उत्तर 2- छात्र स्वयं करें।

उत्तर 3- गुल्ली-डंडा और क्रिकेट के समानताये है (i) दोनों खेल में ही गुल्ली को फेक जाता है और दूसरी खिलाडी बल्ले से उसको मारने की प्रयास करता है और (ii) बल्ले या लकड़ी से जब गेंद या गुल्ली को मारा जाता है तब दूसरा खिलाडी उसे पकड़ने की कोशिश करता है।

गुल्ली डंडा और क्रिकेट का अंतर- (i) गुल्ली डंडा में समय निर्धारित नही होता है लेकिन क्रिकेट एक निर्धारित संख्यक ओवर तक खेला जटा है। (ii) गुल्ली डंडा एक ग्रामीण खेल है लेकिन क्रिकेट दूसरे राष्ट्रों में भी खेला जाता है।

भाषा की बात

उत्तर 1- दाँतों तले उँगली दबाई- इस मुहवारे का मतलब है आश्चर्य चकित होना

हैरान होना- दोस्त को झूठ बोलते देखकर राम हैरान हो गया।

हक्का-बक्का रह जाना- पहली बार म्यूजियम में रखे चिजों को देखके रोहन हक्का-बक्का रह गया।

साँस रोके हुए- इसका मतलब होता है भयभीत होक रहना।

पसीना पसीना होना- पुलिस को आते देखकर चोर पसीना-पसीना हो गया।

दम साढ़े हुए- सभी छात्र दम साढ़े हुए परीक्षा के फल का इंतज़ार कर रहा है।

उत्तर 2: ठंडी अँधेरी रात- हिमाचल में बोहोत ठंडी अँधेरी रात होता है।

ताज़ा स्वादिष्ट भोजन - ताजा स्वादिस्ट भोजन और साफ़ घर सुस्थ रहने के लिए बोहोत जरुरी है।

खट्टी-मीठी गोलियाँ- खट्टी-मीठी गोलियाँ हर उम्र के लोगो को लुभाती है।

स्वच्छ रंगीन कपड़े- दिवाली में सभी स्वच्छ रंगीन कपड़े पेहेन के आया है।

कुछ करने को

उत्तर 1- मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'ईदगाह' में हामिद चिमटा खरीदता है। हामिद के दादी ने उसको तीन पैसे दिए थे लेकिन वह खुद के लिए खीलोने लिए बिना दादी के लिए चिमटा लेते है, क्योंकि उसने देखा था कि रोटी बनाते समय दादी के हात जल जाते है इसीलिए उसने दादी के लिए चिमटा ख़रीदा।

और कंचा कहानी में अप्पू अपने लिए कंचा खरीदने के लिए कक्षा के फीस भी नही देता है। इसीलिए मैं हामिद के पसंद को ज्यादा महत्व देना चाहूँगा।